दिनांक11 सितम्बर 2016 अपराह्न 03:00 बजे स्त्री अध्ययन विभाग (महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) द्वारा 'शैक्षणिक संवाद' की तृतीय कड़ी में **'वैश्वीकरण एवं उदारीकरण का महिलाओं पर प्रभाव'** विषय पर व्याख्यान का आयोजन संस्कृति विद्यापीठ के कॉमन हाल 'गुर्रम जाशुआ सभागार' में किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के बतौर प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी (जनसंचार विभाग) ने महिलाओं की समस्याओं को रेखांकित करते हुए कहा कि वैश्वीकरण अपने तरह से और राजनीति अपने तरह से पेश करती है। सिंगुर की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि इस आंदोलन में बड़े पैमाने पर महिलाओं ने भागेदारी की मीडिया ने अपने तरीके से खबरों को पेश किया जैसे नैनो बस गई नैनो में आदि। इससे पूर्व डॉ. सुप्रिया पाठक जी (प्रभारी विभागाध्यक्ष व असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग) ने स्वागत करते हुए कहा कि आज वैश्वीकरण के दौर में महिलाओं पर आर्थिक रूप से क्या प्रभाव पड़ा है। इसको जेंडर की दृष्टि के अनुसार समाज में विकास को देखने की जरूरत है। इस अवसर पर  विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ शोधार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री चरनजीत सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग) ने किया।

(रिपोर्टिंग व फोटो संकलन: रजनीश कुमार अम्बेडकर, पीएच.डी. स्त्री अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा)